Prabhatkiran (Indore) 19 January, 2017

# उद्योगों को सरकारी मदद की बात झूठी : रावत

**इंदौर : नगर प्रतिनिधि। द एसोसिएट चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स और इंड्रस्टी ऑफ इंडियां के महासचिव डी.एस. रावत का कहना है कि प्रदेश सरकार की उद्योगों को मदद देने की बात झूठी है। आठ इन्वेस्टर्स समिट के बाद भी कितनी कंपनियां आई पता नहीं।**

उन्होंने कहा, किसान तो मेहनत करके फसल तैयार करता है, पर सरकार के पास न तो कोल्ड स्टोरेज हैं और न वेयर हाउस। आधी से ज्यादा फसल जो कोल्ड स्टोर में सुरक्षित रह सकती है, खेतों में खराब हो जाती है। ऐसी नीति बनाई जाए कि फसल सीधे इंड्रस्टी में जाए या गोल्ड स्टोरेज में सुरक्षित रहे, पर ऐसा नहीं हो रहा। फूड प्रोसेसिंग इंड्रस्टी प्रदेश में न आने का कारण यहां पर सड़क, पानी, बिजली की कमी है। पर्यटकों के लिए भी कोई विशेष सुविधाएं नहीं हैं। रामदेव के बारे में रावत का कहना था कि उनसे सहमत नहीं हूं। अगर विदेशों से कुछ अच्छी चीज मिलती हैं तो उसे लेने या अपनाने में बुराई क्या है। आप अपना स्वदेशी उत्पादन करो, पर स्वदेशी के नाम पर बाहर से मिल रही अच्छी तकनीक या बीजों पर रोक लगाओ।

उन्होंने कहा कि जैविक खाद को लेकर बातें ही हो रही हैं। असल में जैविक खाद को बढ़ावा देने के लिए सरकार कुछ नहीं कर रही। किसान मजबूर है रसायनिक खादों का इस्तेमाल करने के लिए। रावत ने कहा कि अगर मप्र सरकार चाहती है कि यहां फूड प्रोसेसिंग इंड्रस्टी लगे और निवेश का पैसा लगाए तो सबसे पहले उन्हें सुविधाएं देना होगी और यह भरोसा दिलाना होगा कि यहां निवेश के बाद उनका पैसा सुरक्षित रहेगा। एक रुपए किलो में सरकारी अनाज के बारे में उनका कहना था कि मेहनत से उगाया अनाज सरकार मुफ्त बांट रही है, लेकिन जो किसान इसे पैदा कर रहा है, उसे मेहनत का आधा भी नहीं मिल रहा है। उसकी फसल को न तो सही दाम मिल रहे हैं, न ही सही जगह।